आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 30.05.2026 समय : 1905

<><><><><><><>

1. आकाशवाणी के 90 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज सेल्युलर जेल से फ्लैग प्वाइंट तक वॉकाथॉन का आयोजन किया गया।
2. मुख्य सचिव डॉ चन्द्र भूषण कुमार ने कहा कि आकाशवाणी इतिहास की धरोहर को संजोए हुए है।
3. क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान द्वारा द्वीप समूह के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
4. विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन अवकाश शिविर का आज समापन हो गया।

<><><><><><><>

आकाशवाणी के 90 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आकाशवाणी श्री विजयपुरम की ओर से आज वॉकाथॉन का आयोजन किया गया। वॉकाथॉन सुबह साढ़े पांच बजे सेल्युलर जेल से आरंभ होकर फ्लैग पॉइंट में पहुंचकर सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में अंडमान निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव, डॉ. चंद्र भूषण कुमार, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने झंडी दिखाकर वॉकाथॉन को रवाना किया। वॉकाथॉन शुरू होने से पहले, आकाशवाणी की मशहूर सिग्नेचर ट्यून बजाई गई और आकाशवाणी टीम की ओर से एक गीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य सचिव ने अपने संबोधन में कहा कि आकाशवाणी की सिग्नेचर ट्यून लोगों को जगाती है, जागरूकता पैदा करती है और लोगों को सक्रिय रहने तथा समाज से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि वॉकाथॉन में लोगों की भारी भागीदारी यह दर्शाती है कि आज के डिजिटल युग में भी लोग रेडियो के उत्साही श्रोता और प्रशंसक बने हुए हैं।

<><><><><><><>

इस अवसर पर कार्यक्रम में उप महानिदेशक (इंजीनियरिंग) और कार्यालय प्रमुख, सी. सुब्बा राव ने कहा कि यह वॉकाथॉन न केवल स्वास्थ्य जागरूकता का कार्यक्रम है, बल्कि 90 वर्षों की सांस्कृतिक एकता और आकाशवाणी की गौरवशाली यात्रा का प्रतीक भी है।

आकाशवाणी और दूरदर्शन केंद्र के कर्मचारी, कैजुअल असाइनी, आकाशवाणी के कलाकार, और आकाशवाणी के सेवानिवृत्त कर्मचारी—सभी ने इस कार्यक्रम में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। यह

वॉकाथॉन आकाशवाणी की गौरवशाली यात्रा का स्मरण करने के लिए, तथा पिछले नौ दशकों के दौरान प्रसारण, संस्कृति, सूचना प्रसार और जनसेवा के क्षेत्र में इसके समृद्ध योगदान के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम के क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान द्वारा कल द्वीप समूह में कार्यरत आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों के लिए CCRAS आयु प्रकृति वेब पोर्टल और स्वास्थ्य आंकलन पैमाने पर एक दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों के ज्ञान और व्यावहारिक कौशल को बढ़ाना था, ताकि वे किसी व्यक्ति की प्रकृति और समग्र स्वास्थ्य स्थिति के मूल्यांकन के लिए CCRAS द्वारा विकसित डिजिटल उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें। तकनीकी सत्रों का संचालन अनुसंधान अधिकारी, प्रभारी, आयुर्वेद डॉ. पी. पी. प्रदीप कुमार और अनुसंधान अधिकारी–आयुर्वेद, डॉ. आकाशलाल एम. द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को आयु प्रकृति वेब पोर्टल और स्वास्थ्य मूल्यांकन पैमाने के प्रभावी उपयोग पर विस्तृत प्रदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। यह कार्यक्रम आयुर्वेद चिकित्सा सेवाओं में डिजिटल प्रौद्योगिकी के समावेशन तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

<><><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान के रंगत में निचले इलाकों में धान की खेती पर हाल ही में एक जागरूकता–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री विजयपुरम के केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा कृषि विभाग, और कृषि विज्ञान केन्द्र निंबुडेरा के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों के बीच द्वीप समूह के निचले इलाकों के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए उपयुक्त धान की खेती की उन्नत पद्धतियों के बारे में जागरूकता पैदा करना था। प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. पी. के. सिंह ने धान की उन्नत उच्च–उपज वाली किस्मों, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन और धान की खेती की वैज्ञानिक पद्धतियों पर व्याख्यान दिया। रंगत की सहायक कृषि निदेशक, शेरली थॉमस ने धान की उत्पादकता बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीकों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। किसानों ने वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ बातचीत की और धान की खेती, पोषक तत्व प्रबंधन और कृषि मशीनीकरण से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में कुल 33 किसानों ने भाग लिया।

इसी तरह का कार्यक्रम डिग्लीपुर के सीतानगर में भी आयोजित किया गया, जिसमें बीस किसानों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित एक महीने तक चले ग्रीष्मकालीन अवकाश शिविर का आज समापन हो गया। कार्यक्रम में प्रशासन के शिक्षा निदेशक आदित्य सांगोत्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने छात्रों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉडलों का निरीक्षण किया, जो एयरो मॉडलिंग, क्रिएटिव साइंस, जहाज निर्माण, मॉडल रॉकेट्री, रोबोटिक साइंस, फन बायोलॉजी, खगोल विज्ञान और फन केमिस्ट्री जैसे विषयों पर आधारित थे। मुख्य अतिथि ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए। अपने संबोधन में उन्होंने वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को जीवन भर जिज्ञासु बने रहने और नई चीज़ें सीखने के लिए उत्सुक रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से सवाल पूछने, खोजबीन करने और पाठ्यपुस्तकों से परे जाकर ज्ञान प्राप्त करने की आदत विकसित करने का आग्रह किया। विज्ञान केन्द्र के शिक्षा अधिकारी देबाशीष पॉल ने एक महीने तक चले इस शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस शिविर में लगभग एक सौ पच्चीस छात्रों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

डाटा एंट्री ऑपरेटर के एक पद के लिए बाल विकास परियोजना कार्यालय द्वारा संविदा आधार पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है। अधिक जानकारी के लिए आई सी डी एस ट्राइबल प्रोजेक्ट कार निकोबार कार्यालय अथवा andamannicobar.gov.in पर सम्पर्क किया जा सकता है।

<><><><><><><>